Regarding Need to facilitate availability of solar energy based agricultural equipments to farmers in Balaghat and Seoni in Madhya Pradesh-laid

श्रीमती भारती पारधी (बालाघाट) : मैं आज बालाघाट और सिवनी के किसानों के लिए सोलर ऊर्जा आधारित कृषि उपकरणों की उपलब्धता पर चर्चा करना चाहती हूँ । यह क्षेत्र कृषि पर निर्भर है, और किसानों को दिन-प्रतिदिन ऊर्जा की आवश्यकता होती है । पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की बढ़ती लागत और निर्भरता के कारण, सोलर ऊर्जा आधारित कृषि उपकरण एक स्थायी और किफायती विकल्प के रूप में उभर कर सामने आए हैं । सोलर पंप, सोलर ड्रायर, सोलर लाइटिंग सिस्टम जैसे उपकरण किसानों को ना केवल लागत में कमी लाने में मदद करते हैं, बल्कि ये पर्यावरण के अनुकूल भी होते हैं । सोलर ऊर्जा की उपयोगिता से किसानों को अपनी फसल की सिंचाई, भंडारण और अन्य कृषि गतिविधियों में सहायता मिलती है, जिससे उत्पादन बढ़ता है और आय में सुधार होता है । केंद्र और राज्य सरकारें पहले ही कई योजनाओं के माध्यम से सोलर उपकरणों को सब्सिडी और ऋण के रूप में उपलब्ध करवा रही हैं । मैं सरकार से आग्रह करती हूँ कि बालाघाट-सिवनी के किसानों के लिए इन उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाई जाए, ताकि किसान सशक्त हों और अपनी कृषि प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और आर्थिक बना सकें ।